खबर संक्षेप

ठेका खत्म होने के बाद भी अवैध संचालन के आरोप

मैहर। तमस भवन और स्वास्तिक कॉम्प्लेक्स में ठेका खत्म होने के बावजूद कारोबार जारी रहने पर विवाद खड़ा हो गया है। ठेका 18 अप्रैल 2026 को समाप्त हो गया था,लेकिन आरोप है कि कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से 28 अप्रैल तक इसका संचालन होता रहा। समिति सदस्य सचिन मिश्रा ने भी इस पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि टेंडर प्रक्रिया अवधि खत्म होने से एक महीने पहले शुरू होनी चाहिए थी। बिना खुली बोली के संचालन से समिति को राजस्व का नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों ने कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी और एसडीएम दिव्या पटेल से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और पारदर्शी तरीके से नई निविदा प्रक्रिया शुरू की जाए ताकि प्रशासनिक जवाबदेही तय हो सके।

नियमों को ठेंगा दिखा रहे मैहर के मैरिज गार्डन

मैहर। शहर के बीच संचालित पैलेस 1 और 2 में नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट और 'नॉइज़ पॉल्यूशन रूल्स 2000' के आदेशों के विपरीत,यहाँ रात 1 बजे तक तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा है। इसके अलावा,बारात के दौरान नेशनल हाईवे और मुख्य सड़कें पूरी तरह जाम हो जाती हैं,जिससे एम्बुलेंस जैसे आपातकालीन वाहनों का निकलना भी दूभर हो जाता है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पैलेस संचालक का संबंध होने के कारण प्रशासन चुप्पी साधे हुए है। रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। जनता ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि रसूखदारों के दबाव में आए बिना इन पैलेसों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

जवाहर नगर स्टेडियम के पास भीषण आग, दमकल विभाग की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा

सतना। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के स्थानीय जवाहर नगर स्टेडियम के पीछे स्थित मंदिर के समीप आज अचानक भीषण आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही देर में इसने विकराल रूप धारण कर लिया। गनीमत रही कि सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुँच गई और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई।

लकड़ी के ढेर ने बढ़ाई मुसीबत

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,मंदिर के बगल में भारी मात्रा में सूखी लकड़ियां रखी हुई थीं। लकड़ियों के संपर्क में आते ही आग और अधिक भड़क गई,जिसके कारण आसपास के रिहायशी इलाकों में धुआं फैल गया और लोग दहशत में आ गए।

समय रहते टला खतरा

जैसे ही आग की खबर मिली,फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने मोर्चा संभाला। स्थानीय लोगों की मदद और प्रशासन की तत्परता से आग को मंदिर और अन्य इमारतों तक पहुँचने से पहले ही बुझा दिया गया। इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। पुलिस और प्रशासन अब आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

विंध्य में 'रफ्तार' का कहर

कोटर में बस-ट्रैक्टर की भीषण भिड़ंत,मैहर में पलटा ट्रक और अमरपाटन में लहूलुहान हुई हाईवे

सतना। विंध्य क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में बीते 24 घंटे सड़क हादसों के नाम रहे। सबसे बड़ा और हृदय विदारक हादसा कोटर थाना क्षेत्र में हुआ,जहाँ एक यात्री बस और ट्रैक्टर की जोरदार टक्कर ने कोहराम मचा दिया। वहीं,मैहर में ट्रक पलटने और अमरपाटन में हुए बाइक हादसों ने क्षेत्र की यातायात व्यवस्था और सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कोटरः गैस कटर से काटकर निकाली गई बस में फंसी जिंदगियां

कोटर थाना क्षेत्र के बाणसागर नहर (बिजली दफ्तर और बस स्टैंड के बीच) के पास एक यात्री बस और ट्रैक्टर के बीच भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई यात्री मलबे के बीच ही फंस गए। सूचना मिलते ही कोटर थाना प्रभारी दिलीप मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मलबे में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए ग्राइंडर और गैस कटर का इस्तेमाल कर बस की बॉडी काटी गई। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि क्षेत्र में धड़ल्ले से चल रही खटारा और ओवरलोड बसें इन हादसों का मुख्य कारण बन रही हैं। हादसे के बाद घंटों मार्ग पर जाम लगा रहा।

मैहरः भदनपुर घाटी में ट्रक पलटा, तत्वों ने बढ़ाई मुश्किल

मैहर जिले के बदेरा थाना अंतर्गत स्टेट हाईवे 11 (भदनपुर घाटी) पर भूसे से लदा एक अनियंत्रित ट्रक पलट गया। ट्रक पलटने से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम के दौरान उस समय स्थिति और बिगड़ गई जब कुछ पुराने आपराधिक रिकॉर्ड वाले असामाजिक तत्व वहां सक्रिय नजर आए।पुलिस प्रशासन ने कड़ी मशक्कत के बाद यातायात बहाल कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

अमरपाटनः एन एच-30 पर दो सड़क दुर्घटनाएं, तीन घायल

अमरपाटन क्षेत्र में नेशनल हाईवे 30 पर रफ्तार का कहर देखने को मिला,जहाँ दो अलग-अलग घटनाओं में लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

बाइकों की आमने-सामने भिड़ंतः

ग्राम मोहारी कटरा (नायरा पेट्रोल पंप के पास) दो तेज रफ्तार बाइकें आपस में टकरा गईं। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे हाईवे एम्बुलेंस 1033 की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे सतना जिला अस्पताल रेफर किया गया है। दूसरा बाइक सवार मौका पाकर फरार हो गया।

चलती बाइक से गिरी महिला

ग्राम पर्सवाहि के पास एक अन्य घटना में एक महिला चलती बाइक से अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। सिर में गंभीर चोट आने के कारण उन्हें भी जिला अस्पताल सतना रेफर किया गया है। क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे ये हादसे प्रशासन के लिए खतरे की घंटी हैं। खटारा वाहनों का सड़कों पर दौड़ना और नेशनल हाईवे पर बेकाबू रफ्तार मासूमों की जान पर भारी पड़ रही है।

मौसम का यू-टर्नः धूल भरी आंधी के बाद झमाझम बारिश, चिलचिलाती गर्मी से मिली बड़ी राहत

सतना। पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी और लू की मार झेल रहे सतना जिले के निवासियों के लिए गुरुवार का दिन बड़ी राहत लेकर आया। दो दिनों से लगातार चल रही गर्म हवाओं और आंधी के बाद गुरुवार को सुबह और शाम धूल भरी आंधी के साथ बारिश हुई,जिसने शहर के मिजाज को पूरी तरह बदल दिया है।

पारे में भारी गिरावट,11 डिग्री तक लुढ़का तापमान

मौसम के इस बदलाव का सबसे बड़ा असर तापमान पर देखने को मिला है। जहाँ पिछले दिनों पारा 44 C के पार पहुंच गया था,वहीं गुरुवार को अधिकतम तापमान गिरकर 33.5 C पर आ गया। महज 24 घंटों के भीतर अधिकतम तापमान में करीब 10 से 11 डिग्री सेल्सियस की भारी गिरावट दर्ज की गई है।

आंकड़ों में पिछले 4 दिनों का हाल

बीते चार दिनों के तापमान और आर्द्रता के आंकड़े बताते हैं कि कैसे अचानक मौसम ने करवट ली। 27 अप्रैल 44.4 28.0 30/18 28 अप्रैल 42.8 31.2 32/20 29 अप्रैल 42.9 28.2 34/16 30 अप्रैल 33.5 23.1 78/39

धूल के गुबार और बारिश का दौर

गुरुवार शाम को एक बार फिर जबरदस्त धूल भरी आंधी चली,जिससे दृश्यता काफी कम हो गई। आंधी के ठीक बाद शुरू हुए बारिश के दौर ने वातावरण में ठंडक घोल दी। मौसम विभाग के अनुसार सुबह 08:30 बजे तकः 0.6 मिली मीटर बारिश दर्ज की गई। सुबह 08:30 से शाम 05:30 बजे तकः 2.2 मिली मीटर बारिश हुई। धूल भरी आंधी और बारिश के इस मेल ने जहाँ एक ओर जनजीवन को थोड़ा प्रभावित किया,वहीं दूसरी ओर बढ़ते पारे से जूझ रहे लोगों को सुकून की सांस लेने का मौका दिया है। फिलहाल जिले में ठंडी हवाएं चल रही हैं और उमस भरी गर्मी से राहत बनी हुई है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी सड़कें: 'नर्क' बना जय स्तंभ से बिहारी चौक, जिम्मेदार लापता!

सतना। विकास के नाम पर विनाश का खेल कैसे खेला जाता है,इसका जीता-जागता उदाहरण शहर की हृदयस्थली जय स्तंभ चौक से बिहारी चौक तक की सड़क है। सीवर लाइन के नाम पर महीनों पहले खोदी गई यह सड़क अब आम नागरिकों के लिए काल बन चुकी है। आलम यह है कि यहाँ के लोग 'नारकीय जीवन' जीने को विवश हैं,लेकिन सुध लेने वाला कोई नहीं।

ठेकेदार गायब,जनप्रतिनिधि 'मौन व्रत' पर

सड़क को मलबे के ढेर में तब्दील कर ठेकेदार गायब है। हैरानी की बात यह है कि शहर में भाजपा के महापौर,भाजपा के ही सांसद और कांग्रेस के विधायक मौजूद हैं,फिर भी जनता अनाथ महसूस कर रही है। 45 वार्डों वाले इस नगर निगम में व्यवस्थाएं इस कदर दम तोड़ चुकी हैं कि जिम्मेदार अधिकारियों ने जैसे अपनी आँखों पर पट्टी बांध ली है। नजीराबाद से डाली बाबा चौराहे तक तो सड़क ढूँढने से भी नहीं मिलती।

धूल का साम्राज्य और जानलेवा गड्ढे

दो दिन पहले ठेकेदार ने रही-सही कसर भी पूरी कर दी। चलने लायक बची थोड़ी बहुत सड़क को फिर से खोद डाला गया,जिसके कारण आधा किलोमीटर से ज्यादा लंबा और गहरा गड्ढा बीच बाज़ार में खड़ा है। धूल का गुबार व्यापारियों और राहगीरों के फेफड़ों में जहर घोल रहा है। स्थिति इतनी विकट है कि पैदल चलना भी दूभर हो गया है। कायदे से इस व्यस्त मार्ग पर 24 घंटे युद्धस्तर पर काम होना चाहिए था, लेकिन यहाँ निर्माण एजेंसी का अता-पता ही नहीं है।

पार्षद भी अनजान,बढ़ रहा है जन-आक्रोश

प्रशासनिक लापरवाही का आलम यह है कि खुद शहर के पार्षदों को यह नहीं पता कि काम कौन सी एजेंसी कर रही है। गुरुवार को को जब एक पार्षद ने जानकारी जुटाने की कोशिश की,तो वे खुद अंधेरे में नजर आए। पार्षदों की यह बेबसी और जिम्मेदारों का घरों में दुबक कर बैठना जनता के सब्र का बांध तोड़ रहा है। यह आक्रोश कभी भी चक्काजाम और उग्र आंदोलन में बदल सकता है। अगर अगले 24 घंटों में निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ,तो शहर की सड़कों पर उतरने वाली भीड़ की जिम्मेदारी सीधे तौर पर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की होगी।क्या सत्ता के गलियारों में बैठे लोगों को जनता की चीखें सुनाई देंगी,या धूल के इन बादलों में विकास की फाइलें ऐसे ही दफन रहेंगी?

कुपोषण की शिकायतों पर भोपाल की टीम ने सिविल अस्पताल का किया निरीक्षण

मैहर। सिविल अस्पताल में कुपोषण की लगातार बढ़ती शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए भोपाल से आई विशेषज्ञों की टीम ने औचक निरीक्षण किया। चाइल्ड हेल्थ विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राकेश घोर के नेतृत्व में टीम ने पोषण पुनर्वास केंद्र,बच्चों के उपचार के रिकॉर्ड और फील्ड मॉनिटरिंग का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई अव्यवस्थाएं पाए जाने पर डिप्टी डायरेक्टर ने अस्पताल स्टाफ को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने दो टूक कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य और कुपोषण जैसे गंभीर विषयों पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। टीम की रिपोर्ट भोपाल मुख्यालय भेजी जाएगी,जिसके आधार पर लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई हो सकती है। इस निरीक्षण से अस्पताल प्रबंधन में हड़कंप मचा हुआ है और जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उम्मीद जागी है।

बाबूपुर में प्रतिमा खंडित होने के बाद भारी तनाव

सतना। जिले के बाबूपुर चौकी अंतर्गत गौरैया मोड़ पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा खंडित किए जाने को लेकर गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ।आक्रोशित अनुयायियों ने सड़क पर उतरकर चक्का जाम कर दिया,जिससे यातायात पूरी तरह बाधित रहा। हालांकि,इस पूरे घटनाक्रम के पीछे अब एक गंभीर साजिश और जमीन माफियाओं के संलिप्त होने की आशंका जताई जा रही है।

प्रशासनिक अमला मौके पर तैनात

मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर डीएसपी,एसडीएम, कोलगवां टीआई, तहसीलदार और चौकी प्रभारी सहित भारी पुलिस बल तैनात है। अधिकारी प्रदर्शनकारियों को समझाने और स्थिति को नियंत्रण में करने का प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय लोगों और सूत्रों से मिली जानकारी इस पूरे विवाद को एक अलग ही दिशा दे रही है। चर्चा है कि यह विवाद केवल आस्था का नहीं,बल्कि करोड़ों की सरकारी जमीन को हथियाने का एक सुनियोजित पैंतरा है।बताया जा रहा है कि संबंधित जमीन 'सेल' की है और बेहद कीमती है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि चक्काजाम करने वाले गुट के ही कुछ लोगों ने जानबूझकर प्रतिमा को खंडित किया है ताकि प्रशासन पर दबाव बनाकर वहां स्थायी रूप से प्रतिमा स्थापित करवाई जा सके। एक बार प्रतिमा स्थापित होने के बाद,आसपास की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का रास्ता साफ हो जाएगा। जानकारी के अनुसार,जाम लगवाने वाले मुख्य चेहरों में से कुछ पर पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह तथ्य इस हंगामे के पीछे की मंशा पर गहरे सवाल खड़े करता है। सूत्रों का दावा है कि गरीब महिलाओं को जमीन और मकान दिलाने का लालच देकर विरोध प्रदर्शन के लिए आगे किया गया है,ताकि पुलिस और प्रशासन कड़ी कार्रवाई करने से हिचके। क्षेत्र में यह चर्चा आम है कि बाबा साहब की प्रतिमा को केवल एक ढाल की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। असली मकसद उस बेशकीमती जमीन पर वर्चस्व कायम करना है। प्रशासन के सामने अब दोहरी चुनौती है एक तरफ कानून व्यवस्था बनाए रखना और दूसरी तरफ आस्था की आड़ में हो रहे भू-माफियाओं के इस खेल का पर्दाफाश करना। फिलहाल मौके पर तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

खबर संक्षेप

विभागीय उदासीनता के चलते कई करोड़ों की बिल्डिंग हो रही जर्जर

मेंटीनेंस और पुताई के अभाव में संचालित छात्रावास खंडहर में तब्दील हो रहा।

पन्ना। जिले में संचालित छात्रावासो में विभाग द्वारा मेंटेनेंस एवं पुताई के अभाव के चलते कई छात्रावास खंडहर बन रहे हैं। इसी में एक छात्रावास अजयगढ़ में स्थित शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर कन्या छात्रावास की स्थिति देखने में पूरी बिल्डिंग में काई लगी हुई है जानकारो के अनुसार जब से यह छात्रावास बना हुआ है तभी से इसकी पुताई व मेंटेनेंस न होने से या बाहर से खंडहर नुमा लगने लगा है। कई करोड़ की बिल्डिंग की स्थिति यह है जब बाहर से यह स्थिति है तो अंदर कमरों की स्थिति क्या होगी जिसमें छात्राएं अध्ययन करती हैं जिसमें करोड़ों की सामग्री का उपयोग होता है क्या कारण है की अनुसूचित जाति विकास विभाग से संचालित छात्रावास की स्थिति यह है क्या बजट के अभाव में छात्रावास की स्थिति इस प्रकार से हुई है या अधिकारियों की अनदेखी के चलते छात्रावास अंदर और बाहर से खंडहर की तरह दिखने लगे हैं नए सत्र का शुभारंभ होने जा रहा है कैसे छात्राएं छात्रावास में निवास करेंगी और कैसे इस स्थिति में अध्ययन करेंगी। अब देखना यह है कि विभागीय अधिकारियों की नजर अजयगढ़ के अनुसूचित जाति सीनियर कन्या छात्रावास पर पड़ती है या जिस तरह से बिल्डिंग खंडहर हो रही है इसी तरह और भी खराब स्थिति में छात्रावास संचालित होता रहेगा।

रक्त नाड़ियों में बहे नालियों में नहीं

संत निरंकारी मण्डल द्वारा रक्त दान शिविर का आयोजन (ब्रांच-पन्ना)

पन्ना। जब हृदय में करुणा, प्रेम और एकत्व की दिव्य चेतना जागृत होती है, तब मानव अपने सीमित स्वार्थों से ऊपर उठकर सम्पूर्ण सृष्टि के कल्याण का सशक्त माध्यम बन जाता है। परोपकार, करुणा और परमार्थ जैसे अलौकिक मूल्यों से प्रकाशमान यह पावन अवसर उस दिव्य अनुभूति का प्रतीक बना जहा ष्मानव को मानव हो प्यारा, इक दूजे का बने सहारा के शब्दों तक सीमित न रहकर कर्मों में आया। ष्मानव एकता दिवस के उपलक्ष्य पर जिला चिकित्सालय पन्ना में 30 अप्रैल को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पन्ना के विधायक श्री बिजेन्द्र प्रताप सिंह , प्रदेश उपाध्यक्ष आशा गुप्ता, बी. जे. पी उपाध्यक्ष श्रीमती पूनम यादव, जिला अध्यक्ष शशि परमार, जिला मंत्री संगीता उपस्थित रहे।

पुराने रुपयो के लेन-देन को लेकर हुये आपसी विवाद मे चाकू से हमला कर की गई थी हत्या

अमानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बम्हौरी में हुये अंधे हत्याकाण्ड का सूचना के 24 घण्टे के अंदर खुलासा कर आरोपी को किया गया गिरफ्तार

अमानगंज।

आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त चाकू की गई जप्त।

फरियादी बैजू दहायत पिता हिसाबी दहायत निवासी बम्होरी ने थाना अमानगंज आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि मेरा छोटा लडका अनिल गांव मे ही मजदूरी का काम करता था आज दिनांक 28.04.26 के शाम 07 बजे के आसपास गांव के लोगो ने बताया कि भटवा की तलईयां के पास अनिल दहायत के चिल्लाने की आवाज आ रही है तब हम दौडकर भटवा की तलैयां के पास जाकर देखा तो मेरा लडका अनिल खून से लथपथ मृत अवस्था मे पडा हुआ था मेरे लडके अनिल की किसी अज्ञात व्यक्ति ने हत्या कर दी है। फरियादी रिपोर्ट पर थाना अमानगंज में अपराध क्रमांक 234/26 धारा 103(1) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान एवं एसडीओपी गुनौर श्री राजीव सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में विशेष पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था। थाना प्रभारी अमानगंज उनि रवि सिंह जादौन के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की लगातार तलाश-पतारसी की गई। टीम द्वारा गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में सघन पूछताछ की गई, स्थानीय लोगों से जानकारी एकत्रित की गई तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर तकनीकी एवं पारंपरिक संसाधनों का उपयोग करते हुए आरोपियों की पतासाजी के सतत प्रयास किए गए। जिसके फलस्वरूप थाना प्रभारी अमानगंज को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बम्होरी का अलोक सिहं राजपूत जो कि दाहिने पैर से लगडाकर चल रहा है एवं उसके हाथो में भी ताजी चोटे है वह गांव से कही बाहर भागने की फिराक मे कुदरा मोड के पास खडा हुआ है साथ ही वह अनिल दहायत के साथ उठता बैठता खाता पीता रहता था जिसके अनिल दहायत के साथ घटना की जाने की पूर्ण संभावना है। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्य्यवाही करते हुए मोके पर रवाना हुई जहां पुलिस टीम को देखकर एक व्यक्ति कुदरा मोड़ पर यात्री प्रतिक्षालय के पीछे छिपने का प्रयास करने लगा जिसे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर अभिरक्षा में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई जिसके द्वारा अपना नाम अलोक सिहं राजपूत पिता लल्लू सिहं राजपूत उम्र 27 साल निवासी ग्राम बम्होरी का होना बताया घटना के संबंध में सख्ती से पूछताछ पर दिनांक 28.04.2026 को मृतक अनिल दहायत निवासी ग्राम बम्होरी के साथ पैसो के पुराने लेनदेन के चलते आपसी विवाद होने पर घटना घटित करना एवं उसकी चाकू से कई बार हमला कर हत्या कर देना स्वीकार किया। आरोपी द्वारा उपरोक्त घटना में प्रयुक्त चाकू को झरकुआ मोड पुलिया के पास छिपाना बताने पर मौके से प्रयुक्त चाकू घरेलू इस्तेमाली निकालकर जप्त किया गया। तत्पश्चात आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

नाम पता आरोपी- 1. अलोक सिहं राजपूत पिता लल्लू सिहं राजपूत उम्र 27 साल निवासी ग्राम बम्होरी, थाना अमानगंज, जिला पन्ना

सराहनीय योगदान- उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी अमानगंज उप निरीक्षक रवि सिंह जादौन,सउनि राघवेन्द्र प्रधान, प्र. आर. शिवम शर्मा, गणेश सिंह, देवनारायण शुक्ला,आर. तुलसी, मेहरवान सिंह, विश्वास शुक्ला, अखिलेश पाल, मुनेन्द्र सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

मोहंद्रा-सिमरिया मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा, आमने-सामने भिड़ीं बाइकें, एक की मौत, दो गंभीर घायल

पवई।

सिमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहंद्रा-सिमरिया मार्ग एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही का गवाह बना, जहां ग्राम पड़रिया के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पवई थाना क्षेत्र के ग्राम हथकुरी निवासी हरिप्रभात उर्फ मोनू गर्ग (35) पिता दयाशंकर गर्ग प्रतिदिन की भांति अपने कार्य पर सुनवानी विद्यालय जा रहे थे, जहां वे अतिथि शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। गुरुवार को उनके विद्यालय में शिक्षा सत्र का आखिरी दिन भी था। इसी दौरान सिमरिया की ओर से पुष्पेंद्र चौधरी (33) पिता डरे चौधरी निवासी पवई अपने एक साथी के साथ किसी वैवाहिक कार्यक्रम से लौट रहे थे। जैसे ही दोनों मोटरसाइकिलें ग्राम पड़रिया के समीप पहुंचीं, अचानक आमने-सामने टकरा गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए और हरिप्रभात गर्ग ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं दूसरी बाइक पर सवार पुष्पेंद्र चौधरी एवं उनका साथी गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर तड़पते रहे। हादसे के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल पन्ना रेफर कर दिया गया। इधर, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूर्ण कराई और बाद में शव परिजनों को सौंप दिया गया। युवक की असमय मौत से पूरे गांव में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और हर आंख नम नजर आ रही है। मृतक हरिप्रभात गर्ग एक शिक्षित एवं मिलनसार व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। उनके पिता दयाशंकर गर्ग ग्राम सिमरा कलां में प्रधानाध्यापक के पद पर पदस्थ हैं, जबकि माता राधा गर्ग आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। अचानक हुई इस घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर लगातार बढ़ते हादसे चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। तेज रफ्तार, और यातायात नियमों की अनदेखी के चलते आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन जिम्मेदारों द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। फिलहाल पवई थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

ग्राम पंचायत सचिव सुरेश कुमार यादव का किया गया भव्य विदाई समारोह

देवेन्द्रनगर। आज दिनांक 30/4/26 को सेक्टर बड़वारा के सचिव सुरेश कुमार यादव ग्राम पंचायत सुंदरा का भव्य विदाई समारोह ग्राम पंचायत भवन फुलवारी में किया गया शुरुआत दीप प्रजनन के साथ स्वागत भाषण से किया और भाषण पी सी ओ नीरज श्रीवास्तव दादा द्वारा किया गया स्वागत भाषण सांस्कृतिक कार्यक्रम श्री सुरेश कुमार से सचिव के विदाई के सम्मान में सचिव अखिलेश गर्ग फुलवारी द्वारा गीत प्रस्तुत कर किया साझा यादें श्री विवेक कुमार गौतम सचिव ग्राम पंचायत भिलसाय द्वारा उनके द्वारा किए गए कार्य व्यक्तिगत जानकारी दी तथा पूर्व सरपंच दादूराम कुशवाहा पूर्व सरपंच सुखेंद्र सिंह पूर्व सरपंच रमाकांत शुक्ला पूर्व सरपंच द्वारा केंद्र बागरी सरपंच राकेश बिल्थरिया सरपंच मौजी लाल वर्मा सरपंच पुष्पेंद्र आदिवासी सभी ने सुरेश कुमार यादव जी के जीवन परिचय को बताते हुए यादें साझा किया उपस्थित लोगों में विदाई समारोह एक भावुक और यादगार के साथ शुभकामनाएं दी साथ में स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की आभार सम्मान नीरज श्रीवास्तव पी सी ओ द्वारा किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन एम एल विश्वकर्मा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद नवाकुर संस्था द्वारा किया गया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पी सी ओ नीरज श्रीवास्तव सचिव अखिलेश गर्ग सचिव विवेक गौतम सचिव कृष्ण गोपाल खरे रामकुमार यादव सचिव धर्मेंद्र विश्वकर्मा सचिव देवेंद्र सचिव इंद्रल वर्मा दिनेश बागरी ग्राम रोजगार सहायक अर्जुन पटेल लव कुश विश्वकर्मा अशोक द्विवेदी रमाकांत बागड़ी हरि शरण यादव खेमराज कुशवाहा सुनील कुशवाहा उपस्थित रहे ग्राम पंचायत फुलवारी के संभात नागरिकों में स्थानीय समिति के भाजपा अध्यक्ष रामानंद बागड़ी उपसरपंच श्रवण बागड़ी समाजसेवी रामकिशोर बागड़ी बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पवई के ग्राम पिपरिया के विश्वकर्मा परिवार की बारात बस में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचे बाराती

गुनौर। पवई क्षेत्र के ग्राम पिपरिया से देवेन्द्रनगर के इटवा जा रही एक बाराती बस कल रात बड़े हादसे का शिकार होने से बच गई। मिली जानकारी के अनुसार, पिपरिया के विश्वकर्मा परिवार की बारात लेकर जा रही बस में शंकरगढ़ सरकार ढाबा के पास अचानक भीषण आग लग गई। यह हादसा रात करीब 9रू40 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस में अचानक धुंआ उठा और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग लगते ही बस में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन गनीमत रही कि बस में सवार सभी बाराती समय रहते सुरक्षित बाहर निकल आए।कोई जनहानि नहींरूराहत की बात यह है कि इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। सभी बाराती पूरी तरह सुरक्षित बताए जा रहे हैं। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है, आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से यह हादसा हुआ होगा।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन को अवगत कराया गया। गनीमत रही कि समय रहते सभी लोग बाहर निकल आए, अन्यथा एक बड़ा हादसा हो सकता था। बस जलकर पूरी खाक हो गई बस का केवल कंकाल बचा है।

बुद्ध पूर्णिमा पर विश्व शांति हेतु घर-घर होगा राष्ट्रीय महायज्ञ

शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में गायत्री परिवार का अभियान, देवेंद्रनगर से जनसहभागिता का आह्वान

देवेन्द्रनगर। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा बुद्ध पूर्णिमा (वैशाख पूर्णिमा) के पावन अवसर पर 1 मई (शुक्रवार) को प्रातः 8रू00 बजे से दोपहर 12रू00 बजे तक देशव्यापी "घर-घर यज्ञ एवं हवन" महाअभियान आयोजित किया जाएगा। यह अभियान शांतिकुंज हरिद्वार के दिव्य मार्गदर्शन में विश्व शांति, पर्यावरण संरक्षण, सकारात्मक ऊर्जा संवर्धन तथा मानव कल्याण के उद्देश्य से सम्पन्न होगा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शाखा देवेंद्रनगर के वरिष्ठ कार्यकर्ता कंधीलाल गुप्ता ने अपने उद्बोधन में आमजन से अधिक से अधिक संख्या में इस राष्ट्रीय महायज्ञ में सहभागी बनने का भावपूर्ण आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पूरा विश्व अस्थिरता, युद्ध, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और बढ़ते वैश्विक तापमान जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। अनेक देशों में चल रहे संघर्ष और उथल-पुथल ने मानवता के सामने चिंता की स्थिति उत्पन्न कर दी है। ऐसे समय में भारतीय ऋषि परंपरा से प्राप्त यज्ञ संस्कृति विश्व में शांति, सद्भाव और सकारात्मक चेतना स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। उन्होंने कहा कि यज्ञ केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि वातावरण की शुद्धि, मानसिक संतुलन, सामाजिक समरसता और मानवीय चेतना के जागरण का वैज्ञानिक आधार है। जब लाखों-करोड़ों परिवार एक साथ विश्व कल्याण की भावना से यज्ञ करेंगे, तब उसकी दिव्य ऊर्जा सम्पूर्ण वातावरण में सकारात्मक परिवर्तन का संचार करेगी। अपने संदेश में उन्होंने नागरिकों से अपने घरों में यज्ञ करने, आसपास के परिवारों को जोड़ने तथा नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और मानव सेवा के मूल्यों से जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता केवल व्यक्तिगत हितों तक सीमित रहने की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानव समाज और प्रकृति के संरक्षण के लिए सामूहिक चेतना जागृत करने की है। यह महायज्ञ केवल स्थानीय या क्षेत्रीय स्तर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक रूप से सम्पन्न होगा। देश के कोने-कोने में गायत्री परिवार के अनुयायी इस महाअभियान में सहभागी बनेंगे। इतना ही नहीं, भारत के बाहर विश्व के विभिन्न देशों में निवासरत गायत्री परिवार से जुड़े श्रद्धालु एवं सनातन संस्कृति का पालन करने वाले परिवार भी इस यज्ञ में सहभागिता निभाकर इसे विराट स्वरूप प्रदान करेंगे। गायत्री परिवार का मानना है कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में यह महायज्ञ विश्व शांति, मानवीय सद्भाव, पर्यावरण संतुलन और आध्यात्मिक जागरण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सामूहिक यज्ञ की दिव्य ऊर्जा मानवता को नई सकारात्मक दिशा देने का कार्य करेगी तथा "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना को और अधिक सशक्त बनाएगी। गायत्री परिवार ने समाज के सभी वर्गों से इस महाअभियान में सक्रिय सहभागिता निभाकर विश्व शांति, राष्ट्र कल्याण और मानवता के उत्थान के इस महान संकल्प को सफल बनाने की अपील की है।

सर्वर फेल से अन्नदाता परेशान, न स्लॉट बुकिंग हो रही न उपज चढ़ पा रही, किसानों में रोष

एक तरफ सरकार वादा करती है कि वह किसान हैतेशी सरकार है वहीं दूसरी ओर किसान परेशान है

पन्ना। जिले के ई-उपार्जन पोर्टल की सर्वर समस्या से किसान जूझ रहे हैं। न स्लॉट बुक हो पा रहे हैं और न उपज चढ़ रही है, जिससे भुगतान और खरीदी प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। यह कोई पहला अवसर नहीं जब सर्वर की समस्या से किसान जूझ रहा है। खरीफ विपणन वर्ष की शुरूआत से ही यह परेशानी झेलनी पड़ रही है। मजबूरी में सरकार ने भले ही नई तारीख दी हो लेकिन किसान संतुष्ट नहीं है क्योंकि सदी विवाह का सीजन है और किसानों को नगदी की जरूरत स्लाट बुक नहीं हो रही तो किसान मजबूर होकर बजार में अपने अनाज को ओने पोने दाम पर बेच रहा है इधर, व्यवस्था सुधारने के नाम पर स्लॉट बुकिंग की तरीख बढ़ाकर एक और मजाक किया जा रहा है। गेहूं उपार्जन की तिथि घोषित होने के साथ ही सर्वर बड़ी समस्या बन कर उभरा है। पंजीयन से लेकर अब उपार्जन तक इसकी दिक्कत आ रही है। जिससे सीधे-सीधे अन्नदाता जूझ रहा है। इधर, किसानों को बार सर्वर दगा दे रहा है मसला किसान आज नहीं तो कल सुबह शाम यहां तक की रात 12 बजे के बाद तक स्लाट बुक करने की कोशिश में लगा है पर हर दिन असफलता और निराशा से अपना माथा पकड़ बैठ जाता हैं कल की उम्मीद लेकर स्लाट बुक करता है पर हार ही हाथ लगती है सलेहा के किसान कमला कान्त मिश्रा अपनी समस्या बताते हुए कहा कि एक हफ्ता गुजर गया है लेकिन स्लॉट बुक में केवल सर्वर की समस्या आ रही है। यह समझ नहीं आ रहा है कि हमारा ही क्यों नहीं बुक हो रहा है। स्लाट बुक होने के बाद भी केन्द्रों में कतारें लगती है पोर्टल के काम न करने के कारण भी किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जानकारी के मुताबिक किसी भी तरह से स्लॉट बुक होने के बाद अपनी समिति में उपज बेचने पहुंचे किसान का पीछा सर्वर यहां भी नहीं छोड़ता। किसान तमाम पेचिदगी दूर कर यहां पहुंचने के बाद ठगा सा रह जाता है दो दो दिन तुलाई केंद्रों में खड़े वाहन का भांडा देता है इन्हीं समास्याओं से जूझ रहा किसान विवाही सीजन में नगदी की जरूरत के कारण बिजोलिया व्यापारियों को ओने पोने दाम में गेहूं बेच रहा है सरकार कहती हैं हम किसानों के मसीहा है वोट देने के समय किसान कहता है सरकार हमारी मसीहा है तभी तो आज अपने पैदा किए गए अनाज को तप तपाती धूप गर्मी से झूलस कर तुलाई केंद्रों पर सरकारी सिस्टम के दाम पर अपने अनाज को बेचने के लिए प्रयास कर रहा है और विफल होकर कम दाम पर बिचौलियों को बेचकर जरूरतें पूरी करने में लगा है जिसकी उपज वहीं आज केंद्रों में सर्वर की भीख मांगते खड़ा है।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत धरमपुर में लगाई रात्रि चौपाल

ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर किया निराकरण, ग्राम के समग्र विकास पर हुई चर्चा

पन्ना। कलेक्टर ऊषा परमार ने गत बुधवार की रात्रि अजयगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत धरमपुर में रात्रिकालीन चौपाल के जरिए ग्रामवासियों की समस्याएं सुनीं और कुछ आवेदनों का मौके पर निराकरण कर शेष समस्याओं का समयावधि में निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। वृन्दावन ग्राम धरमपुर में ग्रामीणजनों से गांव के समग्र विकास के संबंध में आवश्यक चर्चा भी की गई और मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना अंतर्गत शासन की विकास नीति और ग्राम के समग्र विकास की कार्ययोजना से अवगत कराया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी सहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना चौहान, एसडीएम आलोक मार्को, तहसीलदार सुरेन्द्र अहिरवार, परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार, जपं सीईओ सतीश नागवंशी एवं अन्य विभागीय अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। जिला कलेक्टर ने रात्रिकालीन चौपाल में प्रत्येक आवेदन पर सुनवाई कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को तत्काल निराकरण के संबंध में ताकीद किया। इस दौरान विभागीय अधिकारियों ने विभाग की योजनाओं की जानकारी प्रदान कर ग्रामवासियों से सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की अपील भी की। कलेक्टर श्रीमती परमार ने ग्रामीणजनों की मांग पर स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ करने के निर्देश दिए तथा कहा कि शिविर के माध्यम से निःशुल्क जांच सुविधा तथा दवाईयों का वितरण किया जाए। उन्होंने आह्वान किया कि केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना सहित अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ जरूर लें। किसानों को फॉर्मर रजिस्ट्री बनवाने के फायदे भी बताए। इसके अलावा उपस्थितजनों से संवाद कर ग्राम में मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। जिला पंचायत सीईओ द्वारा ग्रामवासियों को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं व पात्रता के बारे में अवगत कराया गया। ग्रामीणों के हित में संचालित कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन इत्यादि विभागों की योजनाओं के लाभ की जानकारी देकर कृषि कार्यों में नवीनतम तकनीक अपनाने की सलाह भी दी गई। चौपाल में गेहूं उपार्जन कार्य तथा नरवाई प्रबंधन यंत्रों संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी। इसके अलावा सरकार की कृषक हितैषी विभिन्न योजनाओं के लाभ के बारे में बताया। कलेक्टर ने रात्रिकालीन चौपाल में खाद्यान्न वितरण, राजस्व प्रकरणों के निराकरण, पीएम ग्रामीण आवास योजना, विद्युत बिल, आयुष्मान कार्ड, सड़क एवं पेयजल व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण आदि के क्रियान्वयन के संबंध में पूछा। ग्रामीणजन जिला प्रशासन के चौपाल कार्यक्रम में उत्साह के साथ शामिल हुए और बारी-बारी से आवेदन देकर अपनी समस्याओं का निराकरण करवाया। ग्रामवासियों से परस्पर समन्वय से संपत्ति एवं पारिवारिक विवादों से दूर रहने का आग्रह किया गया। रात्रिकालीन चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं भी उपस्थित रहीं। अधिकारियों द्वारा चौपाल के पूर्व विकास कार्यों का अवलोकन भी किया गया।

खबर संक्षेप

नव निर्मित सांदीपनि स्कूल में धूमधाम से मनाया गया प्रवेश उत्सव

बिजावर। नगर के नव निर्मित सांदीपनि स्कूल में गुरुवार को प्रवेश उत्सव बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक राजेश बबलू शुक्ला ने फीता काटकर विद्यालय के विधिवत उद्घाटन के साथ किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया तथा मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विधायक ने नव प्रवेशित बच्चों का पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य सभी वर्गों के बच्चों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। प्राचार्य संजय रिछारिया ने बताया कि अब तक लगभग 1600 विद्यार्थियों का प्रवेश हो चुका है और लक्ष्य 2000 विद्यार्थियों का है। कार्यक्रम में नगर परिषद सीएमओ संतोष सैनी, पूर्व अध्यक्ष मनोज भटनागर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हाईवे पर अनियंत्रित ट्राला पलटा, घंटों बाधित रहा यातायात

छतरपुर। जिले में बागेश्वर धाम तिराहे पर बीती रात हुए एक हादसे के कारण हाईवे पर यातायात पूरी तरह चरमरा गया। बताया गया है कि बागेश्वर धाम तिराहे के पास स्थित मोबाइल टावर के समीप एक तेज रफ्तार ट्राला अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया। इस हादसे की वजह से हाईवे का मुख्य मार्ग बाधित हो गया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। काफी देर तक आवागमन ठप रहने के कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने के बाद मौके पर जेसीबी मशीन बुलाई गई, जिसकी मदद से ट्राले को किनारे कर रास्ता साफ कराया गया। मार्ग खुलने के बाद ही यातायात व्यवस्था सामान्य हो सकी।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 2.80 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत

छतरपुर। म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा छतरपुर जिले के गंभीर बीमारी से पीड़ित 6 लोगों को बेहतर उपचार के लिए आर्थिक सहायता राशि मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से कुल 2.80 लाख रुपए की स्वीकृत की गई है। हितग्राही उमा द्विवेदी पति प्रभुदयाल द्विवेदी निवासी भट्ट का बंगला नौगांव को 75 हजार रुपए, वर्षा बसोर पति गयाप्रसाद बसोर नि. जवाहरलाल नेहरू वार्ड महाराजपुर एवं संदीप विश्वकर्मा पिता हीरालाल विश्वकर्मा नि. पाण्डे मोहल्ला बिजावर को 50-50 हजार रुपए, महेश पटेल पिता सुरेश पटेल नि. वार्ड नं.9 बक्सवाहा को 45 हजार रुपए, महेन्द्र पाल पिता लखनलाल पाल नि. वार्ड नं.10 पडवाहा को 40 हजार रुपए एवं शारदा विश्वकर्मा पिता राकेश विश्वकर्मा नि. ग्राम रमपुरा जिला छतरपुर को 20 रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

ईर्ष्या प्रसन्नता को चुराकर हमें उत्साहहीन बना देती है: बीके शैलजा

छतरपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सीएम राईज स्कूल के पीछे एवं नई तहसील के समीप स्थित मन मोहिनी मैरिज गार्डन के उद्घाटन के अवसर पर घर बने मंदिर एवं नशा मुक्त भारत अभियान विषय को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम की शुरुआत छतरपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा द्वारा परमात्म महावाक्यों से की गई जिसमें कहा गया कि अप्रसन्नता का कारण ईर्ष्या है और ईर्ष्या वाला व्यक्ति न तो प्रसन्न रह सकता है और ना ही आगे बढ़ सकता है क्योंकि ईर्ष्या हमें दिलशिकस्त कर देती है। ईर्ष्या हमारी प्रसन्नता को चुराकर हमें उत्साह हीन बना देती है इसलिए हमें प्रसन्न रहने के लिए ईर्ष्या की वृत्ति का त्याग करना होगा। बीके कल्पना ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कहा कि हमारा शरीर मंदिर है और इस शरीर रूपी मंदिर में आत्मा रूपी मूर्ति विराजमान है और इस मूर्ति को श्रृंगारित करने के लिए खूबसूरत बनाने के लिए हमें दिव्य गुणों की आवश्यकता है।

कूडऩताल धाम में श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ

छतरपुर। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कूडऩताल धाम में बुधवार 29 अप्रैल 2026 से श्री श्री 1008 संगीतमय श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ। पहले दिन विधि-विधान के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में जयकारों और भक्ति गीतों से माहौल भक्तिमय हो गया। कलश यात्रा के पश्चात श्रीगणेश पूजन कर भागवत कथा की विधिवत बैठक स्थापित की गई। आयोजन समिति के अनुसार यह सात दिवसीय कथा 5 मई 2026 तक चलेगी, जिसमें प्रतिदिन श्रद्धालु कथा श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित करेंगे। समापन अवसर पर 5 मई को पूर्णाहुति के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कूडऩताल धाम समिति एवं आयोजक कुंडलताल सरकार ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा का श्रवण करने और धर्म लाभ लेने की अपील की है।

प्रसव के बाद अचानक बिगड़ी हालत, अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही महिला की मौत

छतरपुर। जिले के लवकुशनगर क्षेत्र के प्रतापपुरा गांव में एक हृदयविदारक घटना ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है। प्रसव के बाद सामान्य स्थिति में रहने वाली महिला सपना सिंह की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई।

सपना सिंह को प्रसव के लिए लवकुशनगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। परिजनों के अनुसार, डिलीवरी के लगभग दो घंटे तक उनकी हालत पूरी तरह सामान्य रही। सपना ने नवजात शिशु को दूध पिलाया और परिवार के सदस्यों से सामान्य बातचीत भी की। लेकिन कुछ देर बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उल्टी शुरू हो गई। हालत गंभीर होते देख डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया। पति शिवपाल सिंह ने बताया कि जब वे पत्नी को लेकर छतरपुर जा रहे थे, तभी रास्ते में ही सपना ने आखिरी सांस ली। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। परिवार में इस घटना से गहरा मातम छा गया है। पुलिस की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, जिससे मौत के वास्तविक कारण का पता लगाया जा सकेगा। राहत की बात यह है कि नवजात बच्ची पूरी तरह सुरक्षित है और स्वस्थ है। शिवपाल सिंह ने दुख व्यक्त करते हुए कहा, "डिलीवरी के बाद वह बिल्कुल ठीक थीं। बच्ची को दूध पिलाया, सबसे बात की। अचानक हालत बिगड़ी और रास्ते में ही सब कुछ खत्म हो गया।

अवैध शराब विवाद में 2 घायल, चार पर एफआईआर

छतरपुर। जिले में अवैध शराब के कारोबार को लेकर एक बार फिर गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। गढ़ी मलहरा थाना क्षेत्र के निवारी गांव में आधी रात कुछ लोगों ने शराब दुकान पर धावा बोल दिया और तलवार, लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस घटना में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

जानकारी के अनुसार, शराब ठेकेदार रवि लखेरा पर राजा ढाबा से जुड़े लोगों ने हमला किया। घटना अवैध शराब के कारोबार को लेकर विवाद के चलते बताई जा रही है। हमलावरों ने अचानक पहुंचकर जमकर मारपीट की, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग हथियारों के साथ हमला करते दिखाई दे रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए धीरेन्द्र सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, शुभम सिंह और अनुराग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

रील्स की शौकीन प्रेग्नेंट पत्नी का फरसे से गला काटकर हत्या, पति ने थाने जाकर किया सरेंडर

छतरपुर। जिले के चंदला थाना क्षेत्र के ग्राम बल्कौरा में 30 वर्षीय शिवबरन उर्फ पप्पू अहिरवार ने अपनी आठ माह की गर्भवती पत्नी पिंकी अहिरवार का फरसे से गला काटकर निर्मम हत्या कर दी। आरोपी को पत्नी पर अवैध संबंधों का शक था। हत्या करने के बाद वह खुद चंदला थाने पहुंचा और पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी पप्पू अहिरवार ने बताया कि उसकी पत्नी पिंकी दिनभर मोबाइल पर रील्स बनाने में व्यस्त रहती थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लगातार झगड़े होते थे। पति को शक था कि पत्नी के अवैध संबंध हैं, जिसके चलते उसने गुस्से में आकर यह जघन्य अपराध कर दिया। वारदात छतरपुर से करीब 90 किलोमीटर दूर बल्कौरा गांव में हुई। छह साल पहले लवकुशनगर थाना क्षेत्र के मुड़ेरी गांव में पिंकी से पप्पू की शादी हुई थी। दंपति के दो छोटे बच्चे हैं और पिंकी आठ माह की गर्भवती थी। हत्या के बाद पप्पू अहिरवार सीधे चंदला थाने पहुंचा और पुलिस को पूरी घटना बताते हुए सरेंडर कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने फरसा समेत अन्य सबूत बरामद कर लिए हैं। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। चंदला थाना प्रभारी श्रद्धा शुक्ला ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है। परिवार के सदस्यों ने भी बताया कि दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे और कई बार समझाइश दी गई थी, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि मामला इतना भयानक रूप ले लेगा।

बिजली विभाग की मनमानी के खिलाफ युवक कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन, उग्र आंदोलन की चेतावनी

छतरपुर। जिले में विद्युत विभाग की लगातार बढ़ती लापरवाही और अघोषित बिजली कटौती के विरोध में युवक कांग्रेस और एनएसयूआई ने मुख्य अभियंता के नाम एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया है कि जिले की आम जनता बिजली विभाग की मनमानी से अत्यंत परेशान है, जहाँ बिना किसी पूर्व सूचना के सुबह, दोपहर और रात के समय घंटों बिजली काट दी जाती है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

इसके साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों का समय पर निराकरण न होना, मेंटेनेंस के नाम पर अनावश्यक कटौती, ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की बदहाल स्थिति, लो वोल्टेज, बार-बार ट्रिपिंग और अत्यधिक बिजली बिलों जैसी गंभीर समस्याएं सामने आ रही हैं। विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी आम जनता के प्रति उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाया गया है। पूर्व युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष लोकेन्द्र वर्मा और पूर्व एनएसयूआई जिला अध्यक्ष राजवर्धन मिश्रा ने प्रशासन से मांग की है कि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अघोषित कटौती पर तत्काल रोक लगाई जाए और कटौती से पूर्व सार्वजनिक सूचना अनिवार्य रूप से दी जाए। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सुचारू करने और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की गई है। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो युवक कांग्रेस द्वारा उग्र आंदोलन और घेराव किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

चाट दुकानदार को कार में ठूंसकर ले जाने की कोशिश, भीड़ ने बचाई जान

छतरपुर। जिले के भगवां क्षेत्र के रामटौरिया बस स्टैंड पर दिनदहाड़े गुंडागर्दी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक गरीब चाट (फुल्की) दुकानदार के साथ न केवल बेरहमी से मारपीट की गई, बल्कि उसे जबरन कार में डालकर अपहरण करने की कोशिश भी की गई।जानकारी के मुताबिक, पीड़ित जग्गी पटेल रोज की तरह बस स्टैंड पर ठेला लगाकर अपना गुजारा कर रहा था। तभी पुरानी रंजिश के चलते गौरीशंकर यादव हलावनी और उसके एक साथी ने उस पर हमला बोल दिया। आरोप है कि दबंगों ने पहले जमकर मारपीट की और फिर उसे जबरन गाड़ी में खींचकर ले जाने लगे।घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए विरोध किया और घेराबंदी कर दी। भीड़ के दबाव में आरोपी अपने मंसूबों में नाकाम रहे और मौके से फरार हो गए। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अपराधियों की बेखौफ हरकतें साफ देखी जा सकती हैं। मामले में एडिशनल एसपी आदित्य पटले ने बताया कि शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छतरपुर में तालाब में डूबने से दो मासूमों की मौत

नहाने के दौरान गहरे पानी में जाने से डूबे दोनों दोस्त

छतरपुर। जिले के ईशानगर थाना क्षेत्र के ग्राम सलैया में बुधवार को एक तालाब में नहाने गए दो 13 वर्षीय मासूम दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। दोनों बच्चों के शवों को तालाब से निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और मातम का माहौल छा गया है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम सलैया निवासी प्रिंस अहिरवार (पिता राधाचरण अहिरवार) और अभी अहिरवार (पिता हल्ले भाई अहिरवार) बुधवार को घर से तालाब में नहाने गए थे। दोनों बच्चे बिना किसी वयस्क की निगरानी के तालाब में उतर गए। बताया जाता है कि वे तालाब के गहरे हिस्से में चले गए, जहां वे डूब गए और बाहर नहीं निकल पाए।जब बच्चे लंबे समय तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। तालाब के पास पहुंचने पर ग्रामीणों की मदद से दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला गया। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार दुर्गेश तिवारी के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी मनोज गोयल ने बताया कि दोनों बच्चों के शवों का पोस्टमार्टम कराया गया और उसके बाद परिजनों को सौंप दिया गया। शाम को दोनों मासूमों का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

बिजली संकट से परेशान वार्डवासियों ने कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन

नई डीपी और केबिल की मांग, एक महीने से अंधेरे में जी रहे लोग

छतरपुर। गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे वार्ड नंबर 14, पलौठा रोड के दर्जनों रहवासी, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, कलेक्ट्रेट पहुंचकर बिजली समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जताई। वार्डवासियों का कहना है कि पिछले एक महीने से क्षेत्र में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। पुरानी डीपी और जर्जर केबिल के कारण बार-बार लाइन बंद हो जाती है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।रहवासियों ने बताया कि वर्तमान में बच्चों की परीक्षाएं चल रही हैं, लेकिन बिजली न होने से उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। भीषण गर्मी में छोटे बच्चे और बुजुर्ग बीमार पड़ रहे हैं। कई बार केबिल में आग लगने और करंट फैलने का खतरा भी बना रहता है, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका जताई जा रही है।ज्ञापन में मांग की गई है कि जल्द से जल्द नई डीपी स्थापित कराई जाए और नई केबिल डलवाई जाए, ताकि क्षेत्र की बिजली समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

क्षेत्र में सड़कों के जाल से मिलेगी विकास को नई रफ्तार

खजुराहो सांसद और राजनगर विधायक के प्रयासों से विधानसभा में बिछा सड़कों का जाल

छतरपुर। खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा के अथक प्रयासों और राजनगर विधायक अरविंद पटैरिया की दूरगामी सोच के चलते राजनगर विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास का एक नया अध्याय शुरू हो गया है। क्षेत्र के चहुंमुखी विकास को साकार करते हुए राजनगर और लवकुशनगर विकासखंडों में करोड़ों रूपए की लागत से सड़कों का व्यापक जाल बिछाया जा रहा है, जिससे न केवल आवागमन सुगम होगा बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी। राजनगर विकासखंड के अंतर्गत पीएम आभा योजना के माध्यम से चितौरापुरवा-ललपुर, कछियनपुरा से टिकरी, भमुआ से किशुनपुरवा और बमीठा-चन्द्रनगर रोड से अवधपुरा जैसे महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों का निर्माण किया जा रहा है, जो सीधे तौर पर दर्जनों गांवों की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएंगे। इसके साथ ही राजगढ़ रोड से टपरियन और बेडरी से भटियनपुरा तक बनने वाली सड़कें स्थानीय निवासियों के लिए जीवन सुगम बनाएंगी। विकास की इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए पीएम अजय योजना के तहत बमीठा-रनगुवां रोड से दुपारिया, भमुआ रोड से किशुनपुरा और चौबर से जमुनिया तक के मार्गों को स्वीकृति दी गई है। वहीं, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के माध्यम से बमीठा-खजुराहो रोड से सद्दूपुरवा और टुरया-रनेहफॉल से पहाड़ी बावन जैसे पर्यटन और कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों को जोड़ा जा रहा है। लवकुशनगर विकासखंड में भी इसी तर्ज पर विकास की बयार बह रही है, जहाँ सिमराही से केशापुरवा और सूरजपुरा से बंधा का कोड़ा तक सड़कें बनाई जा रही हैं। इस योजनाबद्ध विकास से बम्हौरी पुरवा, सिद्दूपुरवा, छठीबम्हौरी, गिलौहां, और संजयनगर महोबा रोड से जुड़े अनेक पुरवों को मुख्य मार्गों से जोड़कर विकास की मुख्यधारा में लाने का प्रयास सफल होता दिख रहा है। सड़कों के इस बिछते जाल ने राजनगर विधानसभा को प्रगति के पथ पर अग्रसर कर दिया है।

छतरपुर में बदला मौसमः दिन में धूप शाम को झमाझम बारिश

छतरपुर। शहर में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। बुधवार की रात को अचानक बादल छाने के साथ ही हल्की बूंदाबांदी हुई, जिससे सुबह के समय मौसम में ठंडक महसूस की गई। हालांकि गुरुवार दोपहर हल्की धूप के बीच आसमान में बादलों का आना-जाना जारी रहा, जिससे मौसम लगातार बदलता नजर आया। शाम के समय तेज हवाओं और बारिश ने मौसम को खुशनुमा बना दिया जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत महसूस हुई।

मौसम विभाग के अनुसार 30 अप्रैल से 3 मई के बीच मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा) और हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। इस दौरान कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका है।छतरपुर सहित सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, पन्ना, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिलों में भी इसी तरह के मौसम के आसार जताए गए हैं। हालांकि मौसम में इस बदलाव के बावजूद गर्मी से पूरी तरह राहत मिलने की संभावना फिलहाल कम नजर आ रही है, क्योंकि दिन के समय धूप का असर अभी भी बना हुआ है। मौसम के इस उतार-चढ़ाव से लोगों को आंशिक राहत तो मिली है, लेकिन गर्मी का असर अभी कायम है। मौसम विभाग की सलाह के अनुसार सतर्क रहने की जरूरत है।

उपयंत्री महेश असाटी की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन

छतरपुर। नगर पालिका महाराजपुर में उपयंत्री के पद से 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हुए महेश असाटी को नगर पालिका सभागार में भावभीनी विदाई दी गई। आयोजित विदाई समारोह में अध्यक्ष सपना महादेव खटीक, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राजकुमार चौरसिया एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी शैलेंद्र चौहान ने कार्यों की सराहना करते हुए बचे जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। महेश असाटी ने अपनी करियर की शुरुआत बकस्वाहा नगर परिषद से की थी। श्री असाटी ने जिले की बिजावर, महाराजपुर सहित, सीहोरा, सिलवानी, निवाड़ी, अमानगंज, पवई, उदयपुरा में अपनी सफलतम सेवाएं दीं। समारोह में सहयोगियों द्वारा उनके साथ काम करने के अनुभव, मार्गदर्शन और मजेदार किस्सों को साझा किया। श्री असाटी को शाल,स्मृति चिन्ह एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया गया एवं उनकी उपलब्धियों को याद करते हुए और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। श्री असाटी ने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद दिया। आरआई अशोक साहू ने कविता के माध्यम से श्री असाटी की सेवानिवृत्ति पर वधाई दी। विदाई समारोह में महेश असाटी की पुत्री सहायक संचालक स्कूल शिक्षा विभाग सौम्या असाटी, दामाद हर्षित असाटी सामाजिक सुरक्षा विभाग, समस्त पार्षदगण, आरएसआई जीतेंद्र नायक, इंजीनियर गगन सूर्यवंशी, धीरेंद्र तोमर, महेंद्र पटेल, पुरूषोत्तम प्रजापति, आलोक जायसवाल, राम असाटी, सहायक लेखा दिलीप वर्मा, जवाहरलाल चौरसिया, संदीप शर्मा, कुसमाकर चौरसिया, धर्मेंद्र रैकवार, देवेंद्र प्रजापति, निकेत सोनी, जितेंद्र चौरसिया, समस्त स्टाफ, ठेकेदार एवं परिवार के सदस्य भाई रविभूषण असाटी, पुत्र राम असाटी इंजीनियर, मयंक असाटी, भतीजे मयंक असाटी, श्याम असाटी, प्रतीक असाटी, अमित असाटी, मुकेश असाटी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष राहुल पुरोहित ने किया।

छतरपुर पुतला दहन हादसाः वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने जाना घायलों का हाल

छतरपुर। बीते रोज मुख्यमंत्री के पुतला दहन के दौरान हुए भीषण हादसे में झुलसे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों का हाल जानने के लिए गुरुवार को कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने सक्रियता दिखाई। जिला अस्पताल में उपचाराधीन घायलों से प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के नेताओं ने वीडियो कॉल के माध्यम से चर्चा कर उनका ढांढस बंधाया। गुरुवार को कांग्रेस के पूर्व विधायक नीरज दीक्षित ने घायलों की बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और राष्ट्रीय सचिव कुनाल चौधरी से वीडियो कॉल के जरिए कराई। वहीं, कांग्रेस नेत्री दीप्ति पांडेय ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से घायलों का संपर्क कराया। यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया ने भी कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य की जानकारी ली। अस्पताल में घायलों को देखने पूर्व विधायक आलोक चतुर्वेदी भी पहुंचे।

अस्पताल पहुंचे पूर्व विधायक आलोक चतुर्वेदी ने पुलिस प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा जब भाजपा प्रदर्शन करती है तो पुलिस उन्हें संरक्षण देती है, लेकिन जब कांग्रेस जनता के मुद्दों पर आवाज उठाती है तो ज्यादती की जाती है। क्या हमें लोकतंत्र में आवाज उठाने का भी हक नहीं है? उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में होने वाले हर प्रदर्शन में वे स्वयं सबसे आगे रहेंगे और पुलिस की किसी भी अवैध रोक-टोक को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कि यह पूरा घटनाक्रम बुधवार को शहर की बिगड़ती कानून व्यवस्था और एक पत्रकार के साथ हुई मारपीट के विरोध में आयोजित प्रदर्शन के दौरान हुआ। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पुतला दहन करने के लिए निकले थे, तभी छत्रसाल चौराहे के पास पुलिस ने उन्हें रोककर पुतला छीनने का प्रयास किया। इसी झूमाझटकी के बीच पेट्रोल से भीगे पुतले में आग लग गई, जिसने विकराल रूप धारण कर लिया। हादसे में यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष कपिल रिछारिया, सचिन सिंह मातगुवां, मनमोहन कुशवाहा पड़रिया और कपेन्द्र सिंह घोष के अलावा पुलिसकर्मी आशीष खरे और संदीप वर्मा भी झुलस गए थे, जिनका जिला अस्पताल में इलाज जारी है। जानकारी मिली है कि हादसे के बाद जब घायलों को जिला अस्पताल लाया गया, तो वहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं और डॉक्टरों के बीच तीखी बहस हो गई। डॉक्टरों का आरोप था कि कार्यकर्ताओं ने अभद्रता की, जिसके कारण कुछ देर के लिए काम बंद करने की स्थिति बन गई थी, जबकि कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया गया।

खबर संक्षेप

बायपास रोड के पुल का सुधार कार्य तेजी से जारी, बायपास रोड में 10 तक शुरू हो जाएगा वाहनों का आना-जाना

रीवा । रीवा बायपास रोड के विस्तार का कार्य किया जा रहा है। इसमें बीहर नदी पर पूर्व से निर्मित पुल के सुधार के साथ-साथ नए पुल का निर्माण किया जा रहा है। जिसके कारण पुल से वाहनों का आवागमन बंद है। इस संबंध में महाप्रबंधक मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम अंशुल करोड़िया ने बताया कि पुल के सुधार का कार्य तेजी से जारी है। इसमें वर्तमान में ग्राइंडिंग, स्टेजिंग, जैक एवं ड्रिलिंग का कार्य किया जा चुका है। पुल को जंग रोधक बनाने, एपाक्सी ग्राउटिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। पुल में माइक्रो कंक्रीटिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। पुल के सुधार का कार्य 10 मई तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद पुल वाहनों के आवागमन के लिए उपलब्ध होगा। पुल के सुधार कार्य के लिए विशेषज्ञों की टीम तथा इंजीनियर लगातार प्रयास कर रहे हैं।

कलेक्टर ने सहायक संचालक को दिया नोटिस

रीवा । कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सहायक संचालक मत्स्य पालन विभाग श्रीमती अंजना सिंह को कारण बताओ नोटिस दिया है। जारी नोटिस के अनुसार 28 अप्रैल को कलेक्ट्रेट में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई से अनुपस्थित रहने तथा वीडियो कान्फ्रेंसिंग लिंक से जनसुनवाई में शामिल न होने पर नोटिस दिया गया है। कलेक्टर ने कहा है कि जनसुनवाई में मत्स्य पालन विभाग का कोई अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित नहीं था जिसके कारण विभागीय आवेदन पत्रों की सुनवाई में बाधा आई। यह कृत्य शासन की उच्च प्राथमिकता के कार्यक्रम के प्रति घोर लापरवाही प्रकट करता है, जिसके कारण नोटिस दिया गया है।

गहरी जुताई और खरपतवार नष्ट करने के लिए उपयोगी है रोटावेटर

रीवा । ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार खेती है। खेती के आधुनिकीकरण के साथ इसका तेजी से यंत्रीकरण हो रहा है। अब खेतों की जुताई लगभग शत-प्रतिशत ट्रैक्टरों के माध्यम से होती है। ट्रैक्टर से संचालित कई कृषि उपकरण किसानों के लिए बहुत उपयोगी हैं। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि ट्रैक्टर के माध्यम से चलने वाला रोटावेटर और रोटरी टिलर्स खेतों की गहरी जुताई और खरपतवार नष्ट करने के लिए बहुत उपयोगी है। रोटावेटर से किसान अपनी सुविधा और उपयोगिता के अनुसार जुताई की गहराई का निर्धारण कर सकते हैं। इसके उपयोग से नरवाई तथा अन्य खरपतवार छोटे-छोटे टुकड़ों में बंटकर मिट्टी में मिल जाते हैं। बारिश के बाद इनसे मिट्टी के लिए बहुत उपयोगी हरी खाद तैयार होती है जिससे मिट्टी की उर्वरता और जलधारण क्षमता में वृद्धि होती है। धान की रोपाई के लिए खेत को समतल करने और पडलिंग के लिए भी रोटावेटर का उपयोग किया जा सकता है। रोटावेटर का उपयोग 35 हार्सपावर से 55 हार्सपावर तक के ट्रैक्टर में सबसे कारगर होता है। रोटावेटर से सामान्य रूप में तीन घण्टे में एक हेक्टेयर के खेत में जुताई का कार्य हो जाता है। बाजार में रोटावेटर के कई माडल उपलब्ध हैं। किसान अपनी सुविधा के अनुसार इनका उपयोग कर सकते हैं। कृषि विभाग द्वारा रोटावेटर के लिए अनुदान की भी सुविधा उपलब्ध है।

रीवा कलेक्टर के निर्देशन में बाल विवाह रोका गया, प्रशासन व सामाजिक संगठनों की तत्परता से टली नाबालिग शादी

रीवा । जिले में बाल विवाह रोकथाम को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय नजर आ रहा है। कलेक्टर के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत आज ग्राम पंचायत कुनिया कला में एक संभावित बाल विवाह को समय रहते रोक दिया गया।सूचना प्राप्त होते ही महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन की सहयोगी संस्था अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी एवं अन्य सामाजिक संस्था समग्र जन चेतना विकाश परिषद की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए संबंधित परिवार को बाल विवाह के दुष्परिणामों एवं इसके कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। टीम ने परिवार को समझाइश दी कि बेटी का विवाह निर्धारित कानूनी आयु पूर्ण होने के बाद ही किया जाना चाहिए।इस कार्रवाई में ग्राम सरपंच, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर पूजा मिश्रा तथा अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी से ज्योति सिंह उपस्थित रहीं। सभी के संयुक्त प्रयासों से परिवार ने बाल विवाह न करने पर सहमति जताई, जिसके बाद आवश्यक कार्यवाही पूर्ण की गई ।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल, शहरी भी पर्याप्त नहीं, डॉक्टरों के स्वीकृत 160 पदों में से 94 खाली

नर्स और अन्य स्टॉफ भी नहीं, कर्मचारियों की संख्या कम होने के कारण डाटा को तैयार करने में कर्मचारियों की फजीहत

रीवा। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था बेपटरी है। नियमित चिकित्सकों की कमी के चलते ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को संतोषजनक उपचार नहीं मिल पा रहा है। इस कारण, गांव, अंचल के मरीज भी इलाज कराने शहर के अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फिलहाल शासन स्तर पर कोई विशेष प्रयास नहीं किए गए हैं। गौरतलब है कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 5 उप जिला अस्पताल, 9 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और 40 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है। इन स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों के 160 पद स्वीकृत हैं। इसमें से महज 66 पद भरे हुए हैं। शेष 94 पद रिक्त है। अर्थात जिले में चिकित्सकों के लगभग 45 प्रतिशत पद ही भरे हुए हैं। ऐसे ही, 355 उप स्वास्थ्य केंद्रों में 70 प्रतिशत से ज्यादा चिकित्सकों के पद रिक्त है। इतने चिकित्सकों पर ग्रामीण क्षेत्रों की 20 लाख से अधिक जनता का भार है। बेमौसम बीमार होने वाले अधिकतर गरीब परिवार के लोग इलाज कराने पहले नजदीकी सरकारी अस्पताल भागते हैं। समय पर इलाज न मिलने के कारण फिर वह शहर के अस्पतालों का रुख करते हैं। यह स्थिति

सरकारी अस्पतालों की हालत बता रही है।एक्स-रे और पैथालॉजी की सुविधा भी नहींइतना ही नहीं, जिले के 60 प्रतिशत से ज्यादा स्वास्थ्य केंद्रों में एक्स-रे मशीन नहीं है। और न ही पैथालॉजी विभाग है, यानी सामान्य जांच भी इन केंद्रों में नहीं की जा रही है। इस कारण, संबंधित केंद्रों में कार्यरत चिकित्सा कर्मियों को भी इलाज करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। केंद्रों के कुछ चिकित्सा कर्मियों की माने तो कर्मचारियों का ज्यादातर समय शासन की विभिन्न हितग्राही कर्मचारियों की संख्या कम होने के योजनाओं का दस्तावेजीकरण करते में ही समय गुजर जाता है। कारण ऑनलाइन और ऑफलाइन डाटा को तैयार करने में कर्मचारियों की फजीहत हो जाती है।शहर के अस्पतालों की हालत भी ठीक नहींगांव के स्वास्थ्य केंद्रों को छोड़कर शहर के जिला अस्पताल, संजय गांधी अस्पताल, गांधी मेमोरियल और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में इलाज कराने आए दिन हजारों लोग पहुंचते हैं। इन अस्पतालों में भी चिकित्सकों के 30 प्रतिशत से ज्यादा पद रिक्त हैं। जो चिकित्सक पदस्थ भी हैं, उनमें से अधिकांश चिकित्सक, दिन के अधिकांश समय अपनी निजी क्लीनिक में व्यस्त रहते हैं। इस कारण, शहर के प्रमुख सरकारी अस्पताल जूनियर डॉक्टर्स के हवाले रहते हैं। इन अस्पतालों में भी कभी एमआरआई मशीन,एक्स-रे मशीन खराब होने की स्थिति बनती रहती है, जिसके चलते मरीजों को निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए मजबूर होना पड़ता है।जर्जर हो चुके हैं भवनसरकारी घोषणाओं से इतर मैदानी स्तर पर देखें तो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्रों की हालत बेहद खराब है। कई जगह स्वास्थ्य केंद्रों के भवन जर्जर हो गए हैं। इन स्वास्थ्य केंद्रों में जांच सुविधा का अभाव बना हुआ है। पर्याप्त संसाधनों की कमी है। इसके अलावा, तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भी बेहद कमी है। अधिकांश काम आउटसोर्स के कर्मचारी संभाल रहे हैं।

कलेक्टर ने 5 एसएडीओ को दिया नोटिस

रीवा । कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने 5 वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारियों एसएडीओ को कारण बताओ नोटिस दिया है। नरवाई में आग लगाने की घटनाओं की रोकथाम में लापरवाही बरतने पर नोटिस दिया गया है। नोटिस का तीन दिन में संतोषजनक जवाब न मिलने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी गंगेव शिवशरण सरल, जवा केके कोल, सिरमौर तथा रीवा बीपी सिंह, त्योंथर टीआर त्रिपाठी और रायपुर कर्चुलियान रामजी पाण्डेय को नोटिस दिया है। कलेक्टर ने कहा है कि जिले में नरवाई जलाने की 153 घटनाएं सेटेलाइट के माध्यम से रिपोर्ट की गई हैं। इनमें शासन के निर्देशों के अनुरूप 48 घंटे की समय सीमा में समुचित कार्यवाही न करने पर नोटिस दिया गया है।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में दो बेटियों के दिल को मिली नई धड़कनें

रीवा । सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल रीवा विन्ध्य ही नहीं पूरे प्रदेश में हृदय रोगों के उपचार के बड़े केन्द्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। इसमें जटिल हृदय रोगों का लगातार सफलतापूर्वक उपचार किया जा रहा है। इस क्रम में हृदय रोग विभाग के विशेषज्ञ डॉ. एसके त्रिपाठी और उनके सहयोगियों ने विन्ध्य की दो बेटियों को जटिल आपरेशन करके हृदय

रोग से मुक्ति दिलाई। अब इन बेटियों के दिल में नई धड़कन का संचार हो गया है। डॉक्टरों ने तीन वर्षीय बालिका के जन्मजात हृदय रोग का उपचार पीडीए डिवाइस क्लोजर लगाकर किया। यह एक जटिल आपरेशन है। डॉक्टरों ने 22 वर्षीय युवती में भी एएसडी डिवाइस क्लोजर लगाकर अत्याधुनिक कैथलैब तकनीक से सफलतापूर्वक आपरेशन किया। दोनों जटिल आपरेशन बिना ओपेन हार्ट सर्जरी के न्यूनतम इन्वेसिव तकनीक से किए गए, जिससे रोगियों को कम दर्द और कम रक्त स्त्राव हुआ। आपरेशन के बाद दोनो बेटियाँ पूरी तरह से स्वस्थ हैं। इस संबंध में अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अक्षय श्रीवास्तव ने बताया कि सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल में कार्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. व्हीडी त्रिपाठी के नेतृत्व में लगातार कई जटिल आपरेशन किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल के विशेष प्रयासों से सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की स्थापना के साथ-साथ इसमें लगातार आधुनिकतम मशीनों की स्थापना की जा रही है। जिसके कारण जटिल रोगों का उपचार संभव हो सका है। जो आपरेशन केवल बड़े महानगरों में होते थे उन्हें सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इससे बड़ी संख्या में विन्ध्य क्षेत्र और आसपास के रोगी लाभ उठा रहे हैं। अस्पताल की व्यवस्थाओं को लगातार बेहतर बनाए रखने के लिए मेडिकल कालेज के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हृदय रोग के जटिल आपरेशन को सफल बनाने में डॉ. अकरम, जय मिश्रा, मनीष, विजय, सोनाली तथा सुधांशु का विशेष योगदान रहा।

अनियमित यातायात व्यवस्था और जाम के लिए गलत विकास नीति जिम्मेदार: अजय खरे

रीवा

समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने शहर की बिगड़ती जा रही यातायात व्यवस्था और आए दिन विभिन्न मार्गों पर चकाजाम की स्थिति के लिए गलत विकास नीति के योजनाकारों को जिम्मेदार ठहराया है। श्री खरे ने कहा कि पिछले बाइस सालों से लगभग तीन लाख आबादी वाले शहर वासियों को महानगर का सपना दिखाया जा रहा है। जबकि पूरे जिले की आबादी तकरीबन पच्चीस लाख है। इधर बहुत आपत्तिजनक बात दुष्प्रचारित जा रही कि सन 2003 से पहले रीवा कस्बा था। जबकि रीवा लम्बे समय तक रियासत की राजधानी रहा और आजाद भारत में रियासत विलय के बाद 1 नवम्बर 1956 तक विंध्य क्षेत्र की राजधानी भी रहा। यातायात नियंत्रण के नाम पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मनमाने तरीके से बनाए गए फ्लाईओवरों से स्थिति बेहतर होने के बजाय बदतर हो गई। फ्लाईओवरों के नीचे अघोषित बाज़ार विकसित होने से सड़क मार्ग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सिरमौर चौराहा हो या नया बस स्टैंड क्षेत्र सभी जगह यातायात और पर्यावरण की समस्या विकराल बन रही है। इंदिरा नगर, नेहरु नगर, सिरमौर चौराहा आदि की आवासीय कॉलोनियों पर बाज़ार विकसित किया जा रहा है। गल्ला मंडी रोड़, पीली कोठी रोड़, सिरमौर चौराहा से रतहरा मार्ग पर बहुमंजिले इमारतों और माल अपसंस्कृति को बढ़ावा मिलने से समस्या जटिल हो गई है। शहर की अधिकांश सरकारी जमीनों को बड़े पूंजीपतियों के हवाले किए जाने से स्थिति बेहद बिगड़ी है। विकास के नाम पर हो रहे मनमानी दुकानीकरण को नियंत्रित करना बहुत जरूरी है।

शहर के 12 परीक्षा केन्द्रों में 3 मई को होगी नीट परीक्षा, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रीवा । आगामी 3 मई को शहर के 12 परीक्षा केन्द्रों में एनटीए नीट यूजी 2026 परीक्षा का आयोजन किया जायेगा। परीक्षा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी एवं पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सभी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान टीआरएस कालेज एवं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक एक के निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, बैठक व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर ने कहा कि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और सुगमता से परीक्षा संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केन्द्रों के प्राचार्य ने की गयी व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि नीट परीक्षा 3 मई को अपरान्ह 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा केन्द्र में रिपोर्टिंग का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक निर्धारित किया गया है। यदि उम्मीदवार पारंपरिक पोशाक पहन रहे हैं तो उन्हें परीक्षा के दिन दोपहर 12.30 बजे तक आवंटित परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना होगा। शहर के 12 परीक्षा केन्द्रों में 5236 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। शहर में केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक एक, टीआरएस कालेज, पॉलिटेक्निक कालेज, एसके स्कूल, माडल हायर सेकेण्डरी स्कूल, पीके सांदीपनि स्कूल, मार्तण्ड क्रमांक एक, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल क्रमांक एक, मार्तण्ड क्रमांक 2, विधि महाविद्यालय, जीडीसी कालेज तथा पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 में परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों को अपने साथ एनटीए वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश पत्र की प्रिंट कॉपी, पोस्टकार्ड साइज की एक फोटो, पासपोर्ट साइज के 2 फोटो, किसी एक अधिकृत फोटो आईडी की मूल तथा वैध प्रति (जैसे राशन कार्ड), व्यक्तिगत पारदर्शी पानी की बोतल, लड़कों के लिए हल्के कपड़े, जिनमें लंबे बाजू न हों, कोई फैंसी पॉकेट, जिपर

या बैज न हो तथा लड़कियों के लिए हल्के कपड़े, जिनमें कढ़ाई या लंबे बाजू न हों; धातु की वस्तुओं से बचें तथा केवल लो-हील चप्पल या सैंडल पहनने की अनुमति होगी जूते पहनकर आने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा केन्द्र में कोई भी वस्तु जैसे मुद्रित/लिखित पाठ्य सामग्री, कागज के टुकड़े, ज्यामिति/पेंसिल बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, कैलकुलेटर, पेन, स्केल, राइटिंग पैड, पेन ड्राइव, इरेजर, लॉग टेबल, इलेक्ट्रॉनिक पेन/स्कैनर आदि तथा कोई भी संचार उपकरण जैसे मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफ़ोन, माइक्रोफ़ोन, पेजर, हेल्थ बैंड आदि प्रतिबंधित रहेगा। इसी प्रकार अन्य वस्तुएं जैसे बटुआ, चश्मा, हैंडबैग, बेल्ट, टोपी, कोई भी घड़ी, ब्रोसलेट, कैमरा, आभूषण/ धातु की वस्तुएं, कोई भी खुला या पैक किया हुआ खाद्य पदार्थ, पानी की बोतल तथा कोई भी अन्य वस्तु जिसका उपयोग अनुचित उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, जैसे कि माइक्रोचिप, कैमरा, ब्लूटूथ डिवाइस आदि को छिपाकर रखना प्रतिबंधित किया गया है । शहर में निर्धारित 12 परीक्षा केन्द्रों के समीप परीक्षार्थियों के परिजनों के लिए प्रतीक्षा स्थल निर्धारित किये गये हैं। परीक्षा केन्द्र पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक एक के समीप जयंती कुंज में, परीक्षा केन्द्र टीआरएस कॉलेज के समीप व्यंकट क्लब, परीक्षा केन्द्र पॉलिटेक्निक कालेज के समीप माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय, परीक्षा केन्द्र एसके स्कूल के समीप पचमठा, परीक्षा केन्द्र माडल हायर सेकेण्डरी स्कूल के समीप बोर्ड आफिस कैंपस, परीक्षा केन्द्र पीके सांदीपनि स्कूल के समीप राजहंस स्कूल एवं ज्ञानस्थली स्कूल, परीक्षा केन्द्र मार्तण्ड क्रमांक एक के समीप मार्तण्ड क्रमांक तीन, परीक्षा केन्द्र शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल क्रमांक एक के समीप हायर सेकेण्डरी स्कूल क्रमांक 2, परीक्षा केन्द्र मार्तण्ड क्रमांक 2 के समीप बीएड कालेज, परीक्षा केन्द्र विधि महाविद्यालय के समीप टीआरएस कामर्स बिल्डग, परीक्षा केन्द्र जीडीसी कालेज के समीप उद्यानिकी एवं कोर्ट पार्किंग तथा परीक्षा केन्द्र पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 के समीप बीएड कालेज को परिजनों के लिए प्रतीक्षा स्थल निर्धारित किये गये हैं। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, सहायक संचालक शिक्षा राजेश मिश्रा उपस्थित रहे।

सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना से मिल रही नौकरी के साथ प्रोत्साहन राशि

रीवा । जनजातीय कार्य विभाग द्वारा सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों द्वारा सिविल सेवा तथा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार में सफल होने वाले उम्मीदवारों को प्रोत्साहन राशि दी जाती है। संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर 40 हजार रुपए तथा मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर 60 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। उम्मीदवार के अंतिम रूप से चयन होने पर 50 हजार रुपए की राशि दी जाती है। इसी तरह मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में सफल होने पर 20 हजार रुपए तथा मुख्य परीक्षा में सफल होने पर 30 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

उद्यमिता जागरूकता और वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम में शामिल हुए उद्यमी और युवाः एससी-एसटी हब और डिक्की ने आयोजित किया कार्यक्रम, सरकारी कंपनियों और विभागों ने की सहभागिता

रीवा । नेशनल एससी-एसटी हब एवं दलित इंडियन चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) द्वारा गुरुवार को समदड़िया गोल्ड रीवा में आयोजित "उद्यमिता जागरूकता एंड स्पेशल वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम" में संभाग के युवाओं, उद्यमियों एवं इच्छुक प्रतिभागियों को स्वरोजगार, उद्योग स्थापना तथा सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए उद्यमिता विकास के लिए उपलब्ध अवसरों पर मार्गदर्शन दिया। नेशनल एससी-एसटी हब भारत सरकार महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश के प्रभारी महेन्द्र मालवीय ने एससी-एसटी युवाओं के लिए हब की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि एससी-एसटी युवाओं को व्यापार शुरू करने के लिए 25 प्रतिशत की कैपिटल सब्सिडी, बैंक लोन प्रोसेसिंग फीस की वापसी, मार्केटिंग सहायता जैसी अनेक सुविधाएं हैं। केन्द्र सरकार की कंपनियों से एससी-एसटी युवाओं को जोड़कर सप्लायर बनाने पर भारत सरकार को जोर है। उन्होंने कहा कि रीवा में पहली बार एससी-एसटी हब का जागरूकता और वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम हो रहा है। इसमें जो उत्साह दिखाई दे रहा है, वह वास्तव में इस बात का संकेत है कि रीवा संभाग में मौजूद अवसरों का लाभ लेने के लिए सभी तैयार हैं।

डिक्की के अध्यक्ष डॉ अनिल सिरवैया ने कहा कि रीवा सहित पूरे प्रदेश में एससी-एसटी समुदाय की आबादी 40 प्रतिशत के

आसपास है। इतनी बड़ी आबादी को सरकार नौकरी नहीं दे सकती। इसलिए जरूरी है कि एससी-एसटी के युवा आत्मनिर्भर बनें और व्यापार-व्यवसाय के क्षेत्र में अपनी जगह बनाएं। इसके लिए भारत सरकार और राज्य सरकार की अनेक योजनाएं हैं, जिनका लाभ लेना हमें सीखना होगा। डिक्की इसी मिशन में लगा है। भारत सरकार और राज्य के साथ मिलकर अनेक योजनाएं डिक्की ने बनवाईं और इनका लाभ लेकर बड़ी संख्या में एससी-एसटी के युवा आत्मनिर्भर हुए हैं। उन्होंने कहा कि विंध्य अंचल अवसरों की खदान हैं। सिंगरौली में एनसीएल और एनटीपीसी जैसे बड़े सरकारी उपक्रम हैं और अनेक प्राइवेट पॉवर प्लांट हैं। इनमें एंसलरी यूनिट बनाई जा सकती है। इसी तरह रीवा और सतना के आसपास स्थित सीमेंट प्लांट में लगने वाले मटेरियल की सप्लाई के लिए छोटे उद्योग स्थापित किए जा सकते हैं। क्लस्टर बनाकर इस काम को आसान बनाया जा सकता है। डिक्की रीवा कोऑर्डिनेटर स्नेहित आर्य ने बताया कि रीवा में ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, जिससे स्थानीय युवाओं को अवसरों की जानकारी मिलती रहे और वे आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम में एमपीआईडीसी रीवा के कार्यकारी निदेशक यूके तिवारी ने उद्यमिता के लिए स्किल डेवलपमेंट को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि उद्योग स्थापित करने से पहले कार्य का व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। उन्होंने युवाओं को रोजगार मांगने के बजाय रोजगार देने वाला बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने सिंगरौली में स्किल डेवपलमेंट सेंटर विकसित करने पर जोर दिया। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक जेपी तिवारी ने विभिन्न औद्योगिक योजनाओं एवं सब्सिडी की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार की योजनाओं के तहत उद्योग स्थापना हेतु भूमि, ऋण एवं 90 प्रतिशत तक सहायता उपलब्ध है। उन्होंने एनटीपीसी एवं एनसीएल जैसे बड़े उद्योगों के आसपास एंसिलरी यूनिट स्थापित करने पर जोर दिया।एनटीपीसी महाप्रबंधक के. वामसी मोहन एवं एनसीएल प्रबंधक आनंद पाटिल ने कंपनियों की खरीद प्रक्रिया, स्थानीय सप्लायर बनने के अवसर तथा आरक्षण प्रावधानों की जानकारी साझा की। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के चीफ मैनेजर सचिन नेमा ने बैंक ऋण, सरकारी गारंटी योजनाओं तथा उद्यमियों के लिए आवश्यक वित्तीय प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि जागरूकता और सही मार्गदर्शन से ऋण प्राप्त करना आसान हो सकता है। इसके अतिरिक्त मुजम्मिल कुरैशी ने गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस के माध्यम से मोबाइल से ही पूरे देश में व्यापार करने की प्रक्रिया एवं प्रशिक्षण की जानकारी भी दी गई। डिक्की के उपाध्यक्ष डॉ पंकज पाटिल, जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक केके पांडे, एनआरएम के डीपीएम अमित मिश्रा, उद्यानिकी अधिकारी प्रशस्ति पांडे ने विभागीय स्व-रोजगार योजनाओं की जानकारी दी। अंत में सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए भविष्य में ऐसे और आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया तथा उद्यमिता की दिशा में सक्रिय रूप से आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह के निर्देशन में रीवा पुलिस का गुड वर्क

रीवा अमहिया मोहल्ले से 3 वर्ष के बच्चे के अपहरण से फैली थी सनसनी, अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने स्टाफ सहित मौके पर पहुंचकर ,सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर एवं आमजन मानस के सहयोग से बच्चे को ढूंड परिजनों से मिलाया , परिजनों का था रो रो कर बुरा हाल , बच्चा मिलने के बाद सभी मोहल्ले वासियों और परिजनों की आई जान में जान ।

नईगढ़ी सिंचाई परियोजना का कार्य शीघ्र पूरा कराएं - विधायक देव तालाब आगामी फसल से पहले बहुती नहर का कार्य पूरा कराएं - विधायक मऊगंज

मऊगंज। कलेक्ट्रेट सभागार मऊगंज में आयोजित बैठक में मऊगंज जिले की विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में नईगढ़ी माइक्रो सिंचाई परियोजना, बहुती माइक्रो सिंचाई परियोजना तथा हनुमना-सीतापुर उद्वहन सिंचाई परियोजना की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में विधायक देवतालाब श्री गिरीश गौतम ने कहा कि खेती के विकास के लिए सिंचाई सुविधा आवश्यक है। नईगढ़ी माइक्रो सिंचाई परियोजना का शेष बचा कार्य शीघ्र पूरा कराएं, जिससे किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिल सके। सिंचाई की सुविधा मिलते ही खेती में तेजी से विकास होगा। बैठक में विधायक मऊगंज श्री प्रदीप पटेल ने कहा कि तीनों निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं के पूरा होने पर मऊगंज जिले के लगभग सभी किसानों के खेतों में सिंचाई की सुविधा हो जाएगी। बहुती माइक्रो सिंचाई परियोजना में नहर निर्माण का शेष काम तेजी से पूरा कराएं जिससे किसानों को आगामी फसल के लिए पानी मिल सके। इसका मुख्य कार्य पूरा हो गया है। गोविंदगढ़ में टनल का निर्माण भी पूरा हो गया है। इस नहर के शुरू हो जाने से जिले के बहुत बड़े क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। हनुमना-सीतापुर परियोजना से हनुमना क्षेत्र को विशेष लाभ होगा। इसके डीपीआर का

कार्य तेजी से पूरा कराएं। बैठक में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने कहा कि मऊगंज जिले में सिंचाई सुविधाओं के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अधूरी सिंचाई परियोजनाओं का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। इन कार्यों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। बैठक में कार्यपालन यंत्री जल संसाधन बीपी मिश्रा ने बताया कि बहुती और नईगढ़ी सिंचाई परियोजनाओं का कार्य नवम्बर माह तक पूरा हो जाएगा। बहुती परियोजना से लगभग 65 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इसके निर्माण की सभी बाधाएं दूर कर दी गई हैं और कार्य तेजी से जारी है। हनुमना-सीतापुर परियोजना का डीपीआर तैयार कर लिया गया है। इसे पर्यावरणीय और वन विभाग की मंजूरी के लिए भेजा गया है। स्वीकृति प्राप्त होते ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा। मुख्य बांध स्थल का निर्धारण कर लिया गया है। इस परियोजना से मऊगंज के साथ-साथ रीवा, सीधी और सिंगरौली जिले के किसान भी लाभान्वित होंगे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ग्रामीण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, एसडीएम मऊगंज एपी द्विवेदी तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के लिए हजारों हस्तातरित प्रपत्र सहित सौंपा गया ज्ञापन

मऊगंज। जिले में लाखों गौभक्त ने गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने एवं जनजागरण अभियान के पश्चात गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के लिए गौ सम्मान में गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के लिए मऊगंज कलेक्टर मुख्यालय, हनुमना, देवतालाब एवं नईगढ़ी तहसील में माननीय राष्ट्रपति, राज्यपाल प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री महोदय को ज्ञापन सौंपा गया।कार्यक्रम को विज्ञान धर्म सरकार शाहपुर के पीठाधीश्वर परम पूज्य लक्ष्मी नारायण महाराज जी के नेतृत्व में संचालित किया गया जिसमें मुख्य रूप से वेदांती प्रसाद शुक्ला,अखिलेश पाण्डेय,सम्पत दास गुप्त, मुकेश चतुर्वेदी, देवेंद्र पाण्डेय, के डी शुक्ला, रोहित शुक्ला, शंकरलाल गुप्ता,, रज्जन पटेल विहिप, योगी भरद्वाज, शशि भार्गव , राजू, मयंक मिश्रा, भरत तिवारी, पार्थ मिश्रा, दिनेश तिवारी, उमेश मिश्रा, संजय

मिश्रा, वीरेंद्र मिश्रा, जमू उपाध्याय, पुनीत मिश्रा, सुख सागर, प्रवेश मिश्रा, कृष्ण सोनी, विमराज मिश्रा,मन्ने सिंह अधिवक्ता क्रमशः भवानी शंकर द्विवेदी, रमेश मिश्रा भूपेश कुमार वर्मा ज्ञानेंद्र पांडे, ददन प्रसाद मिश्रा सौरभ मिश्रा आनंद गुप्ता वीरेंद्र धर द्विवेदी, नरेंद्र सिंह ज्योति प्रकाश त्रिपाठी केसरी मिश्रा महादेव चतुर्वेदीआदके अतिरिक्त,संदीप रावत, अंशु मिश्रा, सुरेश मिश्रा, सौरभ मिश्रा, संदीप राल्ही, भूषण मिश्र,अमन मिश्रा, अमन चतुर्वेदी, अमन सिंह, रामजी सिंह,आशुतोष मिश्रा, संजय तिवारी, उदय सिंह, प्रशांत अग्निहोत्री, अमन मिश्रा, शनि मिश्रा, शनि सेन, सागर सेन, र शिवा सहित सैकड़ों गौभक्त की उपस्थिति मे मऊगंज में 8,3490 हनुमना में 2540, देवतालाब में 7620 एवं नईगढ़ी में 3500 प्रपत्र के साथ ज्ञापन सौपा।